THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) During October, '91 the power shortage in the country was of the order of 7.2 per cent.

(b) and (c) A list of projects receiving World Bank assistance is given below:—

Sl. No.	Name of the Project	Installed Capacity (MW)
1.	Kawas CC (NTPC)	4x100+2x100
2.	Auriya CC (NTPC)	652
3.	National Capital TPP (NTPC)	4x210
4.	Farakka-II (NTPC)	2x500
5.	Talcher-I (NTPC)	2x500
6.	Anta (NTPC)	410
7.	Chandrapur (NTPC)	2x500
8.	Karnataka Power Project-I (KPCL)	3x40+3x50
9.	Karnataka Power Project-II (KPCL)	4x60
10.	U.P. Power Project (UPSEB)	6x55
11.	Upper Indravati (Govt. of Orrisa)	4x150
12.	Maharasthra Power Projects (MSEB)	4x250
13.	Central Transmission Project-I (NTPC)	1655 Ckt. km.
14.	Rihand Transmission Project (NTPC)	2596 Ckt. km.
15.	Northern Region Transmission System Project (NHPC)	..
16.	Nathpa Jhakri HEP (NTPC)	1500
17.	Ramagundam STPP St. II (NTPC)	1500
18.	Korba STPS-II (NTPC)	1000
19.	Trombay Unit IV (TEC)	500

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण के लक्ष्य

1118. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990-91 और 1991-92 के वर्ष के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये थे;

(ख) क्या उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) 1990-91 एवं 1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में ग्राम विद्युतीकरण के लिए

निर्धारित लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का ब्यौरा निम्न प्रकार है :-

	ग्राम विद्युतीकरण				पम्पसैटों का ऊर्जन			
	1990-91		1991-92		1990-91		1991-92	
	लक्ष्य	उप-लब्धियां	लक्ष्य	उप-लब्धियां	लक्ष्य	उप-लब्धियां	लक्ष्य	उप-लब्धियां
उत्तर प्रदेश	2350	2207	1150 (अगस्त, '91 तक)	146	16100	18506	18500 (अगस्त, '91 तक)	5650
मध्य प्रदेश	1950	2980	1620 (सितम्बर, '91 तक)	298	63000	85500	64250 (सितम्बर, '91 तक)	9867

जहां तक उत्तर प्रदेश का संबंध है, जब कि 1990-91 के दौरान पम्पसैट ऊर्जन से संबंधित लक्ष्यों से अधिक पम्प ऊर्जित किए गए थे, तथापि ग्राम विद्युतीकरण संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने में कमी के मुख्य कारण के लिए निधियों संबंधी बाधाएं उत्तरदायी हैं।

जहां तक मध्य प्रदेश का संबंध है, 1990-91 के दौरान दोनों पम्पसैट ऊर्जन और ग्राम विद्युतीकरण के लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए थे। इन राज्यों के लिए चालू वर्ष से संबंधित वास्तविक उपलब्धियों के ब्यौरे की जानकारी वर्ष के अंत में ही प्रस्तुत हो सकेगी।

विद्युत पारेषण की विद्यमान सुविधाओं के विस्तार का प्रस्ताव

1119. **श्री अजीत जोगी :**

कुमारी आलिया :

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ग्रिड प्रबन्धन और संचार सहित विद्युत पारेषण की वर्तमान सुविधाओं का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव है ताकि ग्रिड में बार-बार होने वाली खराबी को रोका जा सके;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) जी, हां। उप भोक्ताओं को बेहतर निश्चित तथा विश्वसनीय विद्युत सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए ग्रिड प्रबंधन और संचार सहित विद्युत पारेषण की विद्यमान सुविधाओं में विस्तार करने के लिए सरकार पहले से ही आवश्यक कदम उठा रही है। अंतर्राज्यीय और अंतर्क्षेत्रीय पारेषण लाइनों का नेटवर्क पहले से ही विद्यमान है। इसमें 400 के०वी० की लगभग 25000 सर्किट किलोमीटर और एच. वी.डी.सी. की 817 कि.मी. की पारेषण लाइनें शामिल हैं। आठवीं योजना अवधि के दौरान 400 के.वी., 765 के०वी० और एच.वी.डी.सी. लाइनों समेत अन्य पारेषण लाइनों का विस्तार किए जाने का प्रस्ताव है। उत्तरी तथा दक्षिणी क्षेत्रों में विद्यमान भार प्रेषण